विश्व हिन्दी परिषद

हिन्दी भाषा विश्व भाषा

वसुधैव कुटुम्बकम्

'दुनिया में आज भीषण चुनौतियाँ हैं, इन चुनौतियों के समाधान में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए महर्षि अरविंद से प्रेरणा लेकर हमें ख़ुद को तैयार करना है और सबके प्रयास से "विकसित भारत" का निर्माण करना है."

श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री, भारत

श्री अरविंद : हिंदी भाषा और विकसित भारत

युग पुरुष श्री अरविंद के जीवन आदर्शों और संकल्पों को समर्पित

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

25 एवं 26 जुलाई, 2024। एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली

व्याख्यान कार्यक्रम एवं नाटक सह सम्मान समारोह

आयोजक

विश्व हिन्दी परिषद

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद एवं इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन रिसोर्स

एस- 32, प्रथम तल, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, व्यावसायिक परिसर (उपहार सिनेमा के पास), नई दिल्ली-110016

फ़ोन - 011-35990037, 8586016348, 80100 38946

ई-मेल vishwahindiparishadoffice@gmail.com, वेबसाइट www.vishwahindiparishad.in

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संदर्भ में

आधुनिक भारत के निर्माण में श्री अरविंद का एक असाधारण योगदान रहा है। उन्होंने अपनी आध्यात्मिकता, राष्ट्रीय भावना और परम ज्ञान से भारतीय जनमानस में व्याप्त कई जड़ताओं और निष्क्रियताओं का नाश किया और भारत को एक महान राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त किया। आज, जब भारत आजादी के अमृतकाल में स्वयं को एक नई वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए 'विकसित भारत@2047' के संकल्प के साथ चल रहा है, तो श्री अरविंद के विचार और आदर्श हमारे लिए और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं।

ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

- संयुक्त आलेख / शोधपत्र होने की स्थिति में अलग-अलग पंजीकरण कराना आवश्यक होगा।
- चयनित प्रतिभागियों को ही आलेख / शोधपत्र वाचन की अनुमति दी जाएगी।
- लेखक / सह-लेखक का संक्षिप्त परिचय संपर्क का पता (100 शब्दों में) तथा दूरभाष नम्बर और ई-मेल आई.डी.
- प्रथम पृष्ठः आलेख का शीर्षक, लेखक/सह-लेखक का नाम, संपर्क का पता (100 शब्दों में) तथा दूरभाष नम्बर और ई-मेल आई.डी. का उल्लेख करें
- आलेख / प्रपत्र केवल एम. एस. वर्ड फाइल के रूप में भेजें। साथ में, पी. डी. एफ फाइल भी भेजना बेहतर होगा।
- फोण्ट यूनिकोड/मंगल (हिन्दी) तथा टाइम्स न्यू रोमन (अंग्रेजी) / बीज शब्दः 4-5
- फोण्ट साइज: 12pt/हाशिया सीमा: 1.5cm. (चारों तरफ) / पंक्तियों के मध्य अंतरालः 1.5
- पृष्ठ संख्याः पृष्ठ के निचले हिस्से में दायीं ओर दें।
- तालिका और आवृत्ति आदि के शीर्षक का उल्लेख उनके नीचे संख्या और स्रोत के साथ करें।
- सन्दर्भ: APA छठा संस्करण प्रारूप (हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों)
- आलेख / शोधपत्र इत्यादि vhphelpdeskmail2023@gmail.com.
- Sodhpatravhp.as2023@gmail.com ई-मेल पर भेजें।

शोध सारांश और आलेख हेतु अनिवार्य प्रारूप

शोध सारांश की अधिकतम शब्द सीमा	---	350 शब्द
शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि	---	10 जुलाई, 2024
शोध सारांश स्वीकृति की तिथि	---	10 जुलाई, 2024
पूर्ण शोधपत्र की अधिकतम शब्द सीमा	---	3500 शब्द
आलेख की अधिकतम शब्द सीमा	---	1000-1200 शब्द
पूर्ण शोधपत्र / आलेख भेजने की अंतिम तिथि	---	15 जुलाई, 2024
पूर्ण शोधपत्र / आलेख स्वीकृति की तिथि	---	15 जुलाई, 2024

आलेख शोधपत्र आमंत्रण

सम्मेलन के लिए मौलिक और अप्रकाशित लेख हिन्दी और अंग्रेज़ी भाषा में आमंत्रित हैं। इच्छुक प्रतिभागियों से यह निवेदन है कि वे "श्री अरविंद हिन्दी भाषा और विकसित भारत" विषय पर अपनी मूल्यवान लिपिबद्ध स्मृतियाँ अवश्य साझा करें। आप मुख्य विषय और उप विषयों के अतिरिक्त अन्य संदर्भित विषयों के लिए भी आलेख भेज सकते हैं। स्तरीय आलेखों को ISBN नम्बर युक्त प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशनों में प्रकाशित करवाने की योजना है। आलेख / शोधपत्र वाचन एवं पुस्तक में प्रकाशन के संदर्भ में विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा, जो आलेख शोधपत्र की गुणवत्ता पर निर्भर होगा।

स्मारिका का प्रकाशन

भारतीय आध्यात्मिक क्रांति के जनक माने जाने वाले श्री अरविंद को समर्पित इस सम्मेलन के दौरान हमारी योजना एक स्मारिका को प्रकाशित करने की भी है। इसके माध्यम से हमारा यह प्रयास है कि एक संत, कवि, दार्शनिक और योद्धा के तौर पर श्री अरविंद ने भारतीय समाज के निर्माण में जो योगदान दिया, हम उसे जन- जन तक पहुँचाने की दिशा में एक संस्था के तौर पर अपनी सार्थक भूमिका निभा सकें। यह स्मारिका अपने आप में एक उपयोगी, ज्ञानप्रद और आकर्षक माध्यम के रूप मे व्यापक रूप से प्रचारित प्रसारित की जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोग श्री अरविंद के योगदान को जान सके।

विषय

श्री अरविंदः हिन्दी भाषा और विकसित भारत

कतिपय उप विषय

-श्री अरविंद और मानव मूल्य

- श्री अरविंद और अध्यात्म दर्शन

- श्री अरविंद और राष्ट्रीय चेतना

-श्री अरविंद और भारतीय साहित्य

- श्री अरविंद और लोक कला

- श्री अरविंद और लोकपत्रकारिता

- भारतीय भाषाओं में श्री अरविंद का योगदान

-भारतीय ज्ञान परंपरा में श्री अरविंद का अवदान

-स्वाधीनता आंदोलन में श्री अरविंद की भूमिका

क्र. सं.	सरकारी/गैर सरकारी संस्थान द्वारा मनोनीत प्रतिभागी	व्यक्तिगत प्रतिभागिता	विदेशी प्रतिभागिता
1.	मंत्रालयों / सरकारी विभागों / उपक्रमों आदि द्वारा मनोनीत के लिए : 10,000/- रु. प्रति प्रतिभागी	शिक्षको के लिए : 2,000/- रु. प्रति प्रतिभागी	विदेशियों के लिए : 500/- डॉलर प्रति प्रतिभागी
2.	शिक्षण संस्थाओं / महाविद्यालयों इत्यादि द्वारा मनोनीत के लिए : 5,000/- रु. प्रति प्रतिभागी	पत्रकारों/साहित्यकारों/ सामाजिक कार्यकर्ताओं इत्यादि के लिए: 1500/- रू. प्रति प्रतिभागी शोधार्थियों के लिए : 1000/- रू. प्रति प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए: 1000/- रू.	दक्षिण एशियाई देशों के प्रतिभागियों के लिए : 10,000/- भारतीय रू. प्रति प्रतिभागी

इस शुल्क में सत्र के दौरान चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन, सम्मेलन से संबद्ध सामग्री, पैन/पैड / बैग / फोल्डर इत्यादि शामिल हैं।
www.vishwahindiparishad.in पर जाकर ऑनलाइन या NEFT/RTGS अथवा विश्व हिंदी परिषद के नाम नई दिल्ली में देय के साथ प्रतिभागिता/पंजीकरण शुल्क का भुगतान हमारी वेबसाईट बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से किया जा सकता है। भुगतान संबंधी रसीद प्रपत्र vhphelpdeskmail2023@gmail.com पर मेल करे और इसकी मूल प्रति संगोष्ठी के दिन अपने साथ अवश्य लाए।

चुने गए 21 श्रेष्ठ आलेखों को विशिष्ट सम्मान के साथ प्रमाण पत्र दिया जाएगा और साथ ही सम्मेलन में उपस्थित सभी नामांकित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा

कृपया पंजीकरण हेतु स्कैन करें

खाताधारक का नाम	:	Vishwa Hindi Parishad
खाता संख्या	:	007105011143
बैंक का नाम	:	ICICI Bank
शाखा का नाम	:	Green Park
IFSC code	:	ICIC 0000071
MICR code	:	110016022

सम्मान एवं पुरस्कार

विश्व हिन्दी परिषद की परिपाटी हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को सम्मानित व पुरस्कृत करने की रही है। ये पुरस्कार उच्च स्तरीय मूल्यांकन समिति की सिफारिशों के आधार पर दिए जाते हैं। पूर्व के आयोजनों में भी परिषद द्वारा साहित्य एवं गैर साहित्यिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संस्थानों / व्यक्तियों को भारत सरकार के मंत्रीगण के करकमलों से सम्मानित किया जाता रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी हिंदी साहित्य तथा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं / कार्यालयों को सम्मानित / पुरस्कृत करने की योजना है:-

1. श्रेष्ठ 21 शोध-पत्र / आलेख प्रस्तुतियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

2. राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी तथा साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए क्रमशः 51 व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

3. भारत सरकार की राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए पुरस्कार हेतु सरकारी कार्यालयों/उपक्रमों इत्यादि को हमारी वेबसाइट www.vishwahindiparishad.in पर उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करना होगा और साथ में विश्व हिंदी परिषद के पक्ष में निर्धारित पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा। मूल्यांकन के आधार पर श्रेष्ठ पाए जाने वाले कार्यालयों/ उपक्रमों इत्यादि को पुरस्कृत किया जाएगा।

पुरुस्कारों के निर्धारण में मूल्यांकन समिति का निर्णय अंतिम और मान्य होगा।

आयोजन समिति (आयोजक के संदर्भ में)

विश्व हिन्दी परिषद लोकमंगल और सर्वकल्याण की भावना से अनुप्राणित हिन्दी भाषा के साधकों को प्रोत्साहित कर, भाषा के उन्नयन और अविरल गति से चलने के प्रयास में जुटी अपने प्रयोजन और उद्देश्य को पूरा कर रही है। हिन्दी प्रचार-प्रसार की सेवा में तत्पर कश्मीर से कन्याकुमारी तक के साहित्यकारों, पत्रकारों, प्राध्यापकों, शिक्षकों, हिन्दी अधिकारियों, स्वयंसेवियों एवं कर्मचारियों तथा हिन्दी प्रेमी जनता को एक मंच पर एकत्रित करके उन्हें अनुप्रेरित करते हुए यह भूमिका निभा रही है। संस्था विगत दो दशकों से अपनी कर्मठ भूमिका निभा रही हैं
इसका उद्देश्य समाज सापेक्ष, व्यावहारिक, प्रकार्यात्मक, सरल एवं सुबोध तथा क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों को लेकर जीवंत हिन्दी बनाना है क्योंकि मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा और अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की बहुआयामी भूमिका है। यह हिन्दी प्रेमी विद्वानों एवं चिंतकों को संगठित करके समय-समय पर हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रति उनके कर्तव्य को याद दिलाती है और उनमें दायित्व बोध को जागृत कराती है। इसके द्वारा हिन्दी की सेवा में तत्पर हिन्दी प्रेमियों को बढ़ावा देने एवं उनके योगदान को सराहने के लिए हर वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। विश्व हिन्दी परिषद का मुख पत्र 'विश्व हिन्दी' पत्रिका के माध्यम से विविध विषयों पर हिन्दी में विचारोत्तेजक लेखों का प्रकाशन भी करती है और युवाओं तथा नव प्रतिभाओं को आत्माभिव्यक्ति का व्यापक मंच भी प्रदान करती है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओ, सामाजिक- सांस्कृतिक जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से हिन्दी भाषा का वैश्विक विस्तार करना ही विश्व हिंदी परिषद का मुख्य ध्येय है।

सम्मेलन स्थल के निकट प्रमुख दर्शनीय स्थल

सम्मेलन स्थल कनॉट प्लेस में है, जहाँ घूमने और देखने के स्थान चाहे ऐतिहासिक हों या धार्मिक चाहे शॉपिंग के हों या खाने-पीने और मौजमस्ती के लिए, किसी की भी वहाँ कमी नहीं है। कनॉट प्लेस में आपको सब कुछ मिल जाएगा। कनॉट प्लेस को 'राजीव चौक' के नाम से भी जाना जाता है। दिल्ली की सैर करनी हो तो उसकी शुरुआत कनॉट प्लेस से ही करनी चाहिए। इसे 'दिल्ली का दिल' भी कहा जाता है। कनॉट प्लेस के 'सेन्ट्रल पार्क' में शाम के समय फव्वारे और लाइटें बहुत खूबसूरत लगते हैं। कनॉट प्लेस का सेन्ट्रल पार्क, राजीव चैक मेट्रो स्टेशन के एकदम ऊपर बना है। कनॉट प्लेस 'नई-दिल्ली रेलवे स्टेशन' के बहुत नज़दीक है। राजीव चौक के अलावा 'बाराखंभा रोड' और 'जनपथ मेट्रो स्टेशन' भी कनॉट प्लेस के नज़दीकी मेट्रो स्टेशन हैं। कनॉट प्लेस के ऐतिहासिक स्थलों में 'जंतर-मंतर' और 'अग्रसेन की बावली' प्रमुख हैं। कई फिल्मों में दिखाई देने के कारण यह युवाओं का पसंदीदा स्थान है। यहाँ ऐतिहासिक 'हनुमान मंदिर' और प्रसिद्ध 'बंग्ला साहब गुरुद्वारा' भी दर्शनीय हैं।

कनॉट प्लेस में स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन में खादी से बने खूबसूरत कपड़े मिलते हैं। यहाँ कुटीर उद्योग का सामान भी मिलता है। कनॉट प्लेस का 'इनरसर्कल' और 'पालिका बाज़ार' शॉपिंग के लिए बेहतर विकल्प हैं। यहाँ दुनिया के बड़े-बड़े ब्रांड भी मिल जाएँगे। जनपथ स्थित मिनी मार्किट में कम कीमत में बेहतर शॉपिंग की जा सकती है। मुगलई और नॉनवेज खाने के शौकीनों के लिए 'काके दा होटल' अच्छा विकल्प है। साउथ इंडियन खाने के शौकीनों के लिए 'सरवन भवन' पर हर प्रकार के डोसे उपलब्ध हैं। बाबा खड़ग सिंह मार्ग पर स्थित 'कॉफी होम' पर कॉफी पीना न भूलें। स्ट्रीट फूड' के शौकीन पालिका बाज़ार का जायका ले सकते हैं। जबकि एक से एक 'क्वालिटी रेस्टोरेंट' भी यहाँ उपलब्ध हैं

एन.डी.एम.सी. कन्वेंशन हॉल का परिचय

यह दिल्ली के बेहतरीन, अत्याधुनिक तथा नवीनतम उपकरणों व तकनीक से युक्त प्रसिद्ध सभागार है। भारत सरकार तथा विभिन्न मंत्रालयों के प्रमुख आयोजन प्रायः यहीं सम्पन्न होते हैं। यह कनॉट प्लेस में जंतर मंतर के सामने स्थित है। यह पूर्णतः वातानुकूलित है। इसके निकटवर्ती मेट्रो स्टेशन पटेल चैक तथा राजीव चौक हैं। यहाँ दृश्य- श्रृव्य रिकॉर्डिंग की सुविधा के लिए स्टूडियो उपलब्ध है। इसमें सभी प्रमुख बिंदुओं पर सी.सी.टी.वी. की व्यवस्था है। इसमें लगभग 1000 प्रसिद्ध लोगों के बैठने की सुविधा है। इसमें एक मुख्य सभागार तथा दो लघु सभागार हैं। समानांतर सत्र संचालन के लिए उचित व्यवस्था है। इसमें ऐसे अनेक कक्ष हैं जहाँ बैठक की जा सकती है। ध्वनि, प्रकाश, चित्र व्यवस्था के लिए अनुकूल सुविधाएँ विद्यमान हैं। जलपान एवं भोजन सत्र के लिए स्वतंत्र 'जलपान स्थल उपलब्ध हैं। अत्यधिक सुंदर, भव्य, आकर्षक, नवीनतम, तकनीकीयुक्त यह कन्वेंशन सभागार बौद्धिक एवं शिक्षित वर्ग के लिए आकर्षण तथा जिज्ञासा का केंद्र है। इस सभागार में सम्मेलन का आयोजन स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2023

श्री अजय मिश्र टेनी जी, माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार

सुश्री अनुसूईया उईके जी, महामहिम राज्यपाल मणिपुर

स्वामी सर्वलोकानंद जी महाराज, सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिल्ली

श्री एस पी बघेल जी, राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य जी, महामहिम राज्यपाल सिक्किम

श्री सुधीर चौधरी जी, वरिष्ठ पत्रकार, आज तक न्यूज

विश्व हिंदी परिषद द्वारा कार्यक्रमों की झलक

हिंदी दिवस समारोह 2016 की अध्यक्षता करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता माननीय मुरली मनोहर जोशी जी, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री किरण रिजीजु जी एवं माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद सांसद श्री अरुण कुमार जी

विश्व हिंदी दिवस समारोह 2017 की अध्यक्षता करते हुए हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्रीमान कप्तान सिंह सोलंकी जी, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय के सचिव श्री प्रभाष झा जी एवं माननीय सांसदगण, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के एम सिंह जी

विश्व हिंदी परिषद द्वारा कार्यक्रमों की झलक

हिंदी दिवस समारोह 2017 की अध्यक्षता करते हुए हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री शांता कुमार जी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद माननीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज अहीर जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद श्री आर के सिन्हा जी, पद्मश्री संस्कार भारती के राष्ट्रीय अधिकारी दयाप्रकाश सिन्हा जी एवं एनबीसीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार मित्तल जी

विश्व हिंदी दिवस समारोह 2018 की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ अधिकारी श्री इंद्रेश कुमार जी, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद श्री अश्विनी कुमार चौबे, केंद्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा जी एवं मौजूद सांसदगण एवं संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य डॉ. मार्कण्डेय राय जी

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन समिति 2024

मुख्य संरक्षक

श्री इंद्रेश कुमार, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
श्री रवि कुमार अय्यर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

मुख्य संरक्षक

श्री अजय कुमार मिश्र, पूर्व गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार
श्री रामचंद्र जांगड़ा, संयोजक, संसदीय राजभाषा समिति (पहली उपसमिति) एवं सांसद राज्यसभा

मार्गदर्शक

पद्मश्री अशोक भगत- अध्यक्ष, विकास भारती

राष्ट्रीय अध्यक्ष

आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मी प्रसाद
(पद्मश्री, पद्मभूषण),
राष्ट्रीय अध्यक्ष- विश्व हिन्दी परिषद
पूर्व राज्यसभा सदस्य, पूर्व उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति भारत सरकार

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्री देवी प्रसाद मिश्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विश्व हिन्दी परिषद
सदस्य- हिन्दी सलाहकार समिति, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार
श्री दीपक ठाकुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष - विश्व हिन्दी परिषद

राष्ट्रीय महासचिव / मुख्य संयोजक

डॉ. बिपिन कुमार
राष्ट्रीय महासचिव- विश्व हिन्दी परिषद
राष्ट्रवादी विचारक, प्रख्यात स्तंभकार एवं लेखक

प्रदेश अध्यक्ष / प्रकोष्ठ अध्यक्ष

श्री अर्जुन चव्हाण, महाराष्ट्र
डॉ.पी राजरत्नम, तमिलनाडु
डॉ. सीताराम आठिया, मध्य प्रदेश
श्री दिलीप पंसरी, तेलंगाना
डॉ. गौरव सिंह, उत्तर प्रदेश
इंजी. संजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष शैक्षणिक प्रकोष्ठ, मध्य प्रदेश
डॉ. शिप्रा मिश्रा, अध्यक्ष शैक्षणिक, बिहार
श्री पवन कुमार कौशिक, अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश
डॉ. के. पी मिश्र, अध्यक्ष - शैक्षिक प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश
श्रीमती स्वेता गुप्ता, अध्यक्ष - शैक्षणिक प्रकोष्ठ, पश्चिम बंगाल
डॉ. मीना भाऊराव घूमे, अध्यक्ष शैक्षणिक प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र
श्रीमती गरिमा भाटी, अध्यक्ष - शैक्षणिक प्रकोष्ठ, हरियाणा
श्रीमती इंदिरा चौधरी, अध्यक्ष - शैक्षणिक प्रकोष्ठ, राजस्थान

परामर्श मंडल

श्री तपन कुमार शांडिल्य, डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची
प्रो0 बलदेव शर्मा, कुलपति, कुशभूआ ठाकरे विश्वविद्यालय
प्रो0 टीवी कट्टीमन्नी, कुलपति, केंद्रिय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्रा प्रदेश
प्रो. गंगा प्रसाद परसाई, कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय
प्रो. के.एन. सिंह, कुलपति, साउथ बिहार केंद्रिय विश्वविद्यालय

संयोजक

प्रो. संध्या वात्स्यायन, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सह संयोजक

प्रो. प्रदीप कुमार, स्वामी श्रद्धानन्द कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. वेद प्रकाश, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

मुख्य समन्वयक

डॉ. श्रवण कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

डॉ. विनय भारद्वाज, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिन्दी परिषद
डॉ. शकुंतला सरपुरिया, राष्ट्रीय समन्वयक, विश्व हिंदी परिषद
प्रो. मंजु राय क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान
प्रो. विपिन अग्रवाल, प्राचार्य, श्री अरविंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. स्वाति पाल, प्राचार्या, जानकी देवी मेमोरियल, महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. श्रीनिवास त्यागी, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. राम नारायण पटेल, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो तृप्ता शर्मा, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. ममता, डॉ भीम राव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. शशि रानी, डॉ भीम राव अंबेडकर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. हंसराज सुमन, श्री अरविंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. ब्रह्मानंद पांडेय, पूर्व प्राचार्य, वाणिज्य महाविद्यालय, पटना
प्रो. निशा चौहान, हिमाचल प्रदेश
प्रो. पूनम कुमारी, एस.बी. कॉलेज, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
प्रो. परम प्रकाश राय, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
डॉ. दीनदयाल, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. प्रतिभा राणा, स्वामी श्रद्धानन्द महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. प्रवीण अधाना, स्वामी श्रद्धानन्द कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. मनीष कुमार चौधरी, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. नंद किशोर साह, केंद्रीय सह सम्पर्क समन्वयक, बिहार
डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे, प्रदेश उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र
डॉ. विजय पाटिल, संयोजक मध्य प्रदेश, विश्व हिन्दी परिषद
श्री कौशल पांडेय, सर्वोदय विद्यालय, नई दिल्ली
डॉ. रवि कुमार, तेलंगाना प्रभारी, विश्व हिंदी परिषद
डॉ. सुशील कुमार सिंह, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
डॉ. महेंद्र कुमार उपाध्याय, जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट
डॉ. कुसुम चन्द्रायण, उदयपुर, राजस्थान
श्री रमा शंकर शुक्ल, अधिवक्ता, गोरखपुर

अंतरराष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

डॉ. रामेश्वर सिंह, संयोजक अध्यक्ष, रूस विश्व हिन्दी परिषद
डॉ. अर्चना पंड्या, अंतरराष्ट्रीय संयोजिका विश्व हिंदी परिषद (अमेरिका)
डॉ. शिप्रा शिल्पी अंतरराष्ट्रीय सह संयोजिका, विश्व हिंदी परिषद (जर्मनी)
डॉ. रमा शर्मा (जापान)
डॉ. के के झा (मॉरीशस)
डॉ. अल्का भटनागर (अमेरिका)
डॉ. अल्का धनपत (मॉरीशस)
डॉ. चिरौद्दीन (ताशकंद)
डॉ. नधिरा शिवंती (श्रीलंका)
डॉ. रजेश्वरी शर्मा, उत्तर (अफ्रीका)
डॉ. अर्चना शर्मा पेन्यूलि (डेनमार्क)
डॉ. तेजेंद्र शर्मा (लंदन)
डॉ. प्राची शर्मा रंधावा (कनाडा)

सम्मेलन संबंधी नवीन सूचनाओं के लिए कृपया विश्व हिंदी परिषद की वेबसाइट www.vishwahindiparishad.in निरंतर देखते रहे।

पंजीकरण आवेदन पत्र और प्रपत्र की मौलिकता के प्रारूप हेतु निर्धारित प्रारूप विश्व हिंदी परिषद की वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते है।

किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी हेतु सम्पर्क करें: **011-35990037, 85860 16348, 81300 35351, 8010038946**